ऑयल इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
Oil India Limited
(A Government of India Enterprise)
Conquering Newer Horizons

Sustainable Development Policy

Oil India limited (OIL), as a business entity in hydrocarbon exploration and energy business, aims to grow in a sustainable manner by integrating its diverse activities to the three pillars of sustainability- Environment, Society and Economics. As a responsible corporate citizen it is aware of its impact on these three key areas and is deeply committed to inclusive growth of all its stakeholders, thereby continuously promoting and implementing initiatives and projects of sustainable development through the following guiding principles and focus areas:

Environment

- Adheres to the requirements of national environmental laws and regulations, international standards and industry guidelines at all times
- Preserves biodiversity, especially in its areas of operation
- Continuously strives for reduction of its carbon and water footprints so as to combat the challenges of climate change
- Continuously strives for improvement of energy efficiency in its operations
- Explores avenues of alternate energy sources and cleaner technologies
- Committed towards reducing the risk of accidents and oil spills in operations

Society

- Engages with the local communities to constantly work towards sustainable social, economic and institutional development of the region where it operates
- Strives for excellence in business as well as human resource through quality, health and safety in every aspect

Economics

- Adheres to the highest standards in ethical business practices and sound systems of corporate governance
- Diversifies as an integrated energy company with footprint into non-conventional energy like CBM, shale gas, shale oil, LNG etc
- Incorporates sustainable development considerations within corporate decision making process

OIL is committed to allocate adequate budgetary resources and set up a Board Committee and senior-level steering committee for integrating sustainable development in the Company's overall business strategy and report on sustainability performance on an annual basis.

(N K Bharali)
Director (Human Resource & Business Development)
Oil India Limited

ऑयल इंडिया लिमिटेड
Oil India Limited
Conquering Newer Horizons

स्थायी विकास नीति

ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल), हाइड्रोकार्बन अन्वेषण एवं ऊर्जा व्यापार में एक अग्रणी व्यापारिक संगठन है, जिसका उद्देश्य अपनी विविध गतिविधियों के अंतर्गत स्थायी विकास के तीन स्तंभों - पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था को एकीकृत करके स्थायी तरीके से विकास करना है। एक जिम्मेदार कारपोरेट नागरिक के रूप में ऑयल इंडिया लिमिटेड, इन तीन प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति सजग है और सभी हिस्सेदारों के समेकित विकास के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए निम्नलिखित मार्गदर्शक सिद्धांतों और संकेंद्रित क्षेत्रों के माध्यम से स्थायी विकास की परियोजनाओं एवं विभिन्न पहलुओं को अनवरत रूप से उन्नयन और कार्यान्वयन किया जा रहा हैं:

पर्यावरण

- राष्ट्रीय पर्यावरणीय कानून एवं नियमों, अंतरराष्ट्रीय मानकों और हर समय उद्योग के दिशा निर्देशों की आवश्यकताओं का पालन करना
- विशेष रूप से अपने प्रचालनिक क्षेत्रों में जैव विविधता को संरक्षित रखना
- जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने के लिए कार्बन और जल के कारकों में कमी के लिए अनवरत प्रयास करना
- अपने प्रचालनिक क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता के सुधार के लिए लगातार प्रयास करना
- वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और स्वच्छ प्रौद्योगिकीयों का अन्वेषण करना
- अपने प्रचालन कार्यों में दुर्घटनाओं और तेल रिसाव के खतरे को कम करने की दिशा में प्रतिबद्ध होना

समाज

- अपने प्रचालनिक क्षेत्रों के स्थायी सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत विकास के के लिए स्थानीय समुदायों से मिलकर निरंतर कार्य करना
- गुणवत्ता, स्वास्थ्य और सुरक्षा के द्वारा मानव संसाधन के साथ-साथ व्यापारिक उत्कृष्टता के लिए सतत प्रयासरत रहना

अर्थव्यवस्था

- नैतिक वाणिज्यिक व्यवहारों और निगमित प्रशासन के उत्कृष्ट मानकों का अनुपालन करना
- सीबीएम, शेल गैस, शेल तेल, एलएनजी आदि जैसे गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों में निवेश करके एक एकीकृत ऊर्जा कंपनी के रूप में व्यापारिक विविधता प्राप्त करना
- निर्णय लेने की निगमित प्रक्रिया के भीतर सतत विकास के विचार को शामिल करना

ऑयल इंडिया लिमिटेड कंपनी की समग्र व्यापारिक रणनीति में स्थायी विकास को एकीकृत करना चाहता है और इसके लिए पर्याप्त बजटीय संसाधनों के आबंटन के लिए प्रतिबद्ध है। वह इसकी निगरानी के लिए बोर्ड समिति और वरिष्ठ स्तर की स्टीयरिंग समिति का गठन करना चाहता है और वार्षिक आधार पर स्थायी निष्पादन की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

(एन. के. भराली)
निदेशक (मानव संसाधन एवं वाणिज्य विकास)
ऑयल इंडिया लिमिटेड